हिंदी-विभाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

(प्रदेश विधायिका एक्ट 12ए 1956 के तहत स्थापित)

('ए+ श्रेणी' राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा प्रदत्त)

बी. टी. एम. (प्रोग्राम) हिंदी पाठ्यक्रम

सी. बी. सी. एस. (चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति)/एल ओ सी एफ/मैपिंग मैट्रिक्स

सत्र 2020-21 से लागू

कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	परीक्षा की स्कीम (अंक)			
				परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
सेमेस्टर - II							
BTM-HIN-AECC-201	प्रयोजनमूलक हिंदी	**02**	**02**	**40**	**10**	**50**	2.00 घंटे
सेमेस्टर - III							
BTM-HIN-SEC-301	संभाषण कला	**02**	**02**	**40**	**10**	**50**	2.00 घंटे

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (PSOs)

PSO-1. व्यवहारिक व व्यावसायिक जीवन में भाषा का विशेषकर हिंदी भाषा का सही प्रयोग कर सकेगा। हिंदी भाषा के विकास के माध्यम से भाषा के सैद्धांतिक पहलुओं तथा उसके परिवर्तन की दिशाओं का बोध होगा।

PSO-2. समकालीन साहित्य के विविध गद्य व पद्य रूपों के माध्यम से अपने युग का बोध होगा। साहित्य की विभिन्न विधाओं में रचनात्मक लेखन व संप्रेषण की क्षमता विकसित होगी।

PSO-3. साहित्य संसार व वास्तविक संसार के यथार्थ के प्रति आलोचनात्मक समझ विकसित होगी। साहित्य के सौंदर्य, कला तथा वैचारिक मूल्यों के प्रति विवेक का निर्माण होगा।

PSO-4. व्यक्तित्व विकास व जीवनयापन के लिए भाषायी कौशल, कंप्यूटर, अनुवाद, पत्रकारिता, जनसंचार, रंगमंच, चलचित्र आदि के बारे में सैद्धांतिक व व्यावहारिक ज्ञान होगा।

Attainment of Cos : Attainment Level for Internal Assessment
Table given below shows the CO attainment levels assuming the set target of 60% marks :

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students score more than 60% of marks in class tests of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students score more than 55% of marks in class tests of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students score more than 50% of marks in class tests of a course

CO Attainment Levels for End Semester Examination (ESE)

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 60% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 55% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 50% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course

सेमेस्टर - II

BTM-HIN-AECC-201-प्रयोजनमूलक हिंदी

क्रेडिट - 2 **कुल अंक- 50**

समय- 2.00 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

प्रयोजनमूलक हिंदी व व्यावहारिक अनुप्रयोग के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

201.1 विविध क्षेत्रों में हिंदी भाषा के स्वरूप व प्रयोग की जानकारी।

201.2 हिंदी भाषा में लेखन कौशल व संप्रेषण में सक्षम।

परीक्षा संबधी निर्देश -

- **पाठ बोध -**निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 4 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक प्रश्न** - पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य विषयों में से 8 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किंही 5 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

- हिंदी भाषा का विकास, हिंदी भाषा और भारतीय संविधान, हिंदी भाषा के विविध रूप (राष्ट्र भाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा), देवनागरी लिपि का मानकीकरण
- बाजार और वाणिज्य के क्षेत्र में हिन्दी भाषा के प्रयोग और चुनौतियां, वाणिज्य क्षेत्र की पारिभाषिक शब्दावली
- व्यावसायिक क्षेत्र की हिंदी (बैंक, बीमा, मीडिया)
- विज्ञापन की भाषा का स्वरूप और विशेषताएं, प्रिंट, इलेक्ट्रोनिक और ई-विज्ञापनों की भाषा
- वेब कंटेट लेखन की प्रक्रिया, वेब कंटेट का ले-आऊट, डिजाइन एवं प्रस्तुति, हिंदी के प्रमुख वेबपोर्टल
- व्यावहारिक लेखन कौशल - कार्यालयी लेखन (पत्र, टिप्पण, प्रारूपण)
- हिंदी शब्द संपदा (तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज)
- वर्तनी शोधन

पाठ बोध के लिए निर्धारित

- **संभाषण -** साहित्य, संस्कृति और शासन **-** महादेवी वर्मा
- **रेखाचित्र** - पुरुष और परमेश्वर - रामवृक्ष बेनीपुरी
- **यात्रा -** मैंने जापान में क्या देखा - भदंत आनंद कौशल्यायन
- **व्यंग्य -** आशा की अंत - बालमुकुंद गुप्त

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs	
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3
Prayojanmoolak Hindi (BTM-HIN-AECC-201) Course is designed for enhancement of Skill Development of the students.	

सहायक पुस्तकें

- व्यावहारिक राजभाषा कोश - दिनेश चमोला
- प्रयोजनमूलक हिंदी - रघुनंदन प्रसाद शर्मा
- रचनात्मक लेखन - रमेश गौतम
- टेलीविजन लेखन - असगर वजाहत और प्रभात रंजन
- संचार भाषा हिंदी - सूर्यप्रसाद दीक्षित
- ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी
- जनसंचार माध्यम -भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी

सेमेस्टर - III

BTM-HIN-SEC-301-संभाषण कला

क्रेडिट - 2 **कुल अंक- 50**

समय- 2.00 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

संभाषण के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पहलुओं से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

301.1 सावर्जनिक मंचों पर अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित होगी।

301.2 वैयक्तिक, सामाजिक व व्यावसायिक व्यवहार में संवाद क्षमता विकसित होगी।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 10 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को 5 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** - निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

- संभाषण का अर्थ, स्वरूप एवं प्रमुख घटक
- संभाषण के विभिन्न रूप-वार्तालाप, व्याख्यान, वाद-विवाद, एकालाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, जन संबोधन।
- जन सम्पर्क में वाककला की उपयोगिता
- संभाषण कला के प्रमुख उपादानः भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति, अन्तराल ध्वनि (वाल्यूम),वेग, लहजा (एक्सेण्ट)।
- संभाषण कला के विभिन्न रूपः उदघोषणा कला (अनाउन्सेमेंट), आंखों देखा हाल (कमेन्ट्री), संचालन (एंकरिंग), वाचन कला, समाचार वाचन (रेडियो, टी. वी.), मंचीय वाचन (कविता, कहानी, व्यंग्य आदि)।
- वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं समूह संवाद।
- लोक प्रशासन, जनसम्पर्क एवं विपणन के विकास में संभाषण कला का योगदान।
- संवादी भाषा (कनवर्सेशनल लैंग्वेज) के रूप में हिन्दी की भाषिक संवेदना की विवेचना।

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs	
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3
Sambhashan Kla (BSc-HSc-HIN-SEC-302) Course is designed for enhancement of Skill Development of the students.	

सहायक पुस्तकें

- भाषण कला - महेश शर्मा
- अच्छी हिंदीः संभाषण और लेखन - तेजपाल चौधरी
- व्यावहारिक राजभाषा कोश - दिनेश चमोला
- प्रयोजनमूलक हिंदी - रघुनंदन प्रसाद शर्मा
- रचनात्मक लेखन - रमेश गौतम
- टेलीविजन लेखन - असगर वजाहत और प्रभात रंजन
- संचार भाषा हिंदी - सूर्यप्रसाद दीक्षित
- ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी
- जनसंचार माध्यम -भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी